ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–५८
दिनांक- मंगलवार, २७ जुलाई, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.3 एवं 26.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 77 प्रतिशत, हवा की औसत गति 10.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 0.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.9 एवं दोपहर में 35.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 25.4 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(28 जुलाई–1 अगस्त, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 28 जुलाई–1 अगस्त, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में आसमान में मध्यम से घने बादल छाये रह सकते हैं। अगले दो से तीन दिनों तक उत्तर बिहार के अधिकतर जिलों के अनेक स्थानों पर मध्यम वर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों पर भारी वर्षा भी होने का अनुमान है। २८ जुलाई को पूर्वी तथा पश्चमी चम्पारण के जिलों में भारी वर्षा तथा मेघ गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की सम्भावना है। इसके बाद अर्थात 30 जुलाई के बाद वर्षा की सक्रियता में कमी होगी।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 30–34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 9 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार के साथ अगले एक दिन तक पूरवा हवा तथा उसके बाद दो दिनों तक पछिया हवा तथा आखिरी दो दिनों में पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की रोपाई कृषक बंधु यथाशीघ्र समाप्त करने का प्रयास करें। रोपे हुए धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में १५०–२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम स्फुर एवं ८० किलोग्राम पोटाश के साथ २० किलोगाम सल्फर का व्यवहार करें। प्याज के पौध की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी-छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई २ मीटर एवं लम्बाई ३ से ५ मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें। जिन किसान भाई का प्याज का पौध ४५-५० दिनों का हो गया हो वे पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपाई करें। पिछात बोयी गई प्याज की पौधशाला में नियमित रूप से कीट एवं रोग-व्याधि की निगरानी करतें रहें। स्वस्थ एवं सुडौल पौध के लिए पौधशाला से खरपतवार को निकालते रहें।
- उचॅास जमीन में अरहर की बुआई यथाशीघ्र समाप्त कर लें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ६, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। पक्ति से पक्ति की दूरी ६० से०मी० रखें । बीज दर १८ से २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च-३, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०-२६७ अनुशंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम ७५ प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- आम का साटा तथा लीची, अमरूद एवं नींबू की गूटी तैयार करें। फलदार एवं वानिकी पौधो को लगाने का यह समय उपयुक्त चल रहा है। किसान भाई अपनी पसंद के अनुसार फलदार पौधें का बगाान जैसे- आम, लीची, कटहल, ऑवला, अमरुद, शरीफा, नींबु की रोपनी करें। वानिकी पौधो जैसे- सागवान, चह, हरा सेमल, देशी सेमल, सफेद सिरीस, काला सिरीस, अर्जुन, गम्हार, गुलमोहर की रोपनी करें।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे- कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट बेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे- कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में १० ग १० मीटर की दुरी पर पौधों की रोपाई करें।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ-२३ तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-१ अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ-३ तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी २.० मीटर है एवं बौनी जातियों में १.५ मीटर रखें।
- पिछले माह बोयी गई साग-सब्जियों की निकाई-गुराई करें। सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग फैलाते है। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का ०.३ मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 30.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 25.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी